राजस्य विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1997

क्रमांक 2472-ज-2-97/15654---श्री लाला राम पुन्न श्री बुध राम, निवासी गांच जय सिंह पुर, खेडा, तहसील वावल जिला महेन्द्रगढ़ अब रेवाडी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीधनियम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१५) के अधीत सरकार की अधिसूचना क्रमांक 864-ज-1-81/26985, दिनांक 31 जुलाई, 1981 द्वारा 160 रुपये वापिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अन्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये ने बढ़ाकर 309 रुपये वापिक जी दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री लाला राम की दिनांक 2 जुलाई, 1989 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हुरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रीधिनयम (जैसा कि उमे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 ने श्रशीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री लाला राम की विश्ववा श्रीमती दिलकोर के नाम रवी, 1990 के 300 रुपये वार्षिक नथा रवी, 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के श्रन्तगंत तक्दील करते हैं।

दिनांक 27 स्रक्तूबर, 1997

ऋमांक 2616-ज-2-97/16108.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रिधिनियम, 1948 की घारा 2(ए) (१ए) श्रीर 3 (१ए) के अनुसार सोंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, रवी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाषिक रखी, 1980 से खरीफ, 1992 तक 300 रुपये वाषिक तथा रखी, 1993 से 1,000 रुपये (केंवल एक हजार रुपये) की वाषिक युद्ध जागीर श्रीमती सरदार कीर पत्नी स्व० श्री बलवन्त सिंह, गांव लोटा तस्सील नारायणगढ़ जिला अम्बाला की सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 2600-अ-2-97/16112.—-श्री दिखा सिंह, पुन्न श्री गंगा राम, निवासी गांव नौनद, तहसील व जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रीध नियम, 1948 की धारा 2(ए), (१ए) तथा 3(१ए) के ग्रधीन सरकार की ग्रीधसूचना क्रमांक 1588- ज-2-78/30782, दिनांक 8 नवम्बर, 1978 हारा 150 रु० वार्षिक ग्रीर बाद में ग्रीधसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये वार्षिक ग्रीर उसके बाद ग्रीधसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 ग्रास्त, 1993 द्वारा 300 रुपये से कङ्गकर 1,000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मन्जूर की गई थी।

2. ग्रब श्री दरिया सिंह की दिनांक 14 दिसम्बर, 1996 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, इस जागीर को श्रीमती सरतो पत्नी स्वर्गीय श्री दिरया सिंह निवासी गांव नौनद तहसील व जिला रोहतक के नाम रदी, 1996 से 1,000 रुपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत तबदील करते हैं।

कमांक 2599-ज-2-97/16126. → श्री हजारा सिंह पुत श्री बागा सिंह, निवासी गांव टमरोली, तहसील नारायणगढ़, जिला मम्बाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5927-र-III-70/1401, दिनांक 15 जनवरी, 1971 द्वारा 150 रु० वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 1789 ज ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रु० से बढ़ाकर 300 रु० वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री हजारा सिंह की दिनांक 26 जुलाई, 1990 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई गिक्तियों जा प्रयोग करते दूने, इस जागीर को श्रीमती हरकौर पत्नी स्व० श्री हजारा सिंह के नाम खरीफ, 1990 से 300 रू॰ वार्षिक तथा रबी, 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतौं के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(हस्ताक्षर) . . .,

ं श्रंवरं संचिव, हरियाणा सरकार, राजस्वं विभाग।